



चंदा कोचर ने छोड़ा ICICI Bank - GK नोट्स का PDF डाउनलोड करें!

चंदा कोचर देश की प्रतिष्ठित व्यक्तियों और महिलाओं में शामिल हैं। जिन्होंने आईसीआईसीआई बैंक में 1984 में मैंनेजमेंट ट्रेनी के रूप में अपने करियर की शुरूआत की तथा 2009 में उस बैंक के सीईओं और एमडी का कार्यभार संभाला। लेकिन तत्काल प्रभाव से सेनानिवृत्ति का हवाला देते हुए उन्होंने आज यानि 4 अक्टूबर 2018 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। आईसीआईसीआई निदेशक मंडल ने भी उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। चंदा कोचर की जगह संदीप बख्शी को नया सीईओं और एमडी चुना गया है (जो 5 साल यानि 2023 तक कार्यभाल संभालेंगे)। इस लेख में हम आपको चंदा कोचर की उपलब्धियों, करियर और उनके जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण बाते बताएंगे। जो आपको IBPS PO, IBPS Clerk, Railways RRB Group D और अन्य सरकारी परीक्षाओं की तैयारियों के लिए मददगार साबित हो सकते हैं। इसलिए इस लेख को आप अंत तक पढ़ें और पीडीएफ में डाउनलोड करना ना भूले।

आखिर क्यों चंदा कोचर को अपना पद छोड़ना पड़ा?

हाल ही में चंदा कोचर पर वीडियोकॉन समूह को 2012 में दिए गए 3250 करोड़ रुपये के लोन के माध्यम से अपने परिवार को वित्तीय फायदा पहुंचाने की कोशिश करने का आरोप लगा था। यह लोन कुल 40 हजार करोड़ रुपये का एक हिस्सा था जिसे वीडियोकॉन ग्रुप ने एसबीआई के नेतृत्व में 20 बैंकों से लिया था। जिसकी जाँच करने के लिए न्यायधीश न्यायमूर्ति श्री कृष्ण ने एक जाँच पैनल का गठन किया गया था। जाँच पूरी होने तक चंदा कोचर अनिश्चितकालीन छुट्टी पर थी लेकिन उन्होंने जाँच के बीच में ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके साथ ही एमडी माल्या, स्वतंत्र निदेशक और बोर्ड के सदस्य ने भी स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया है।

आरोपो से संबंधित मुख्य बातें-

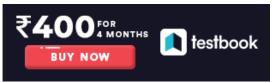
वीडियोकॉन ग्रुप के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत पर आरोप है कि उन्होंने 2010 में 64 करोड़ रुपये न्यूपावर रीन्यूएबल्स प्राइवेट लिमिटेड (NRPL) को दिए थे। इस कंपनी को धूत ने दीपक कोचर और दो अन्य रिश्तेदारों के साथ मिलकर खड़ा किया था। आईसीआईसीआई बैंक से लोन मिलने के 6 महीने बाद धूत ने कंपनी का स्वामित्व दीपक कोचर के एक ट्रस्ट को 9 लाख रुपये में ट्रांसफर कर दिया।











चंदा कोचर पर आरोप है कि वीडियोकॉन ग्रुप का पक्ष लेकर उन्होंने ऋण सुविधा दी जिसमें नियमों का उल्लंघन हुआ है। इस मामले में आयकर विभाग ने कर चोरी के मामले में दीपक कोचर को नोटिस जारी किया था। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस मुद्दे की जांच के बाद इस मामले को वित्त मंत्रालय को भेजा है।

श्रीकृष्ण पैनल द्वारा की गयी जाँच का नतीजा

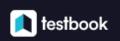
चंदा कोचर के इस्तीफा देनेंे से हर कोई अचरज में हैं,क्योंकि श्रीकृष्ण पैनल की जाँच अभी तक खत्म नहीं हूई है। चंदा कोचर के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सेवानिवृत्त एससी न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीकृष्ण के द्वारा जून में एक पैनल स्थापित किया था। इसी के साथ इस पैनल के द्वारा एस्सार समूह के रूईया भाईयों ने दीपक कोचर के स्वामित्व वाले नुपावर समूह में "राउंड-ट्रिपिंग" निवेश के लिए आईसीआईसीआई बैंक से अनुचित पक्ष प्राप्त किए हैं। इस पैनल के अलावा, सीबीआई ने मार्च 2018 में प्रारंभिक जाँच शुरू की, जहाँ उसने दीपक कोचर, वीडियोकॉन समूह और अन्य समूहों के कुछ सदस्यों से पूछताछ की। इसके अलावा सुरक्षा और विनिमय बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) कर्ज की चोरी और नियमों का पालन नहीं होने के कारण चंदा कोचर को कारण बताओं का नोटिस जारी किया है।

चंदा कोचर की शिक्षा और करियर

- चंदा कोचर ने जय हिंद कॉलेज, मुंबई से बीकॉम की डिग्री हासिल की।
- इसके बाद उन्होंने आईसीएआई, मुंबई से सीए की पढ़ाई पूरी की करने के बाद में मुंबई से ही जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में मास्टर की उपाधि प्राप्त की।
- उन्हें प्रबंधन अध्ययन में उत्कृष्टता के लिए वॉकहार्ट गोल्ड मेडल और कॉस्ट एकाउंटिंग में जे एन बोस गोल्ड मेडल मिला।
- 1996 में, उन्हें आईसीआईसीआई बैंक द्वारा स्थापित एक समूह का प्रमुख बनाया गया, जिसने बिजली, दूरसंचार और परिवहन उद्योग को टैप करने के लिए एक इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योग समूह बनाया।
- कोचर के नेतृत्व में, आईसीआईसीआई बैंक ने 2000 में बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी, नवाचार, प्रक्रिया इंजीनियरिंग और बड़े पैमाने वितरण के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए खुदरा व्यापार में अपने पैर पसारे।
- अप्रैल २००१ में, उन्होंने कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला।
- 2006 में, कोचर को आईसीआईसीआई बैंक के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया गया। 2006-07 में, कोचर ने बैंक के अन्तर्राष्ट्रीय और कॉर्पोरेट व्यवसायों का कार्यभार भी संभाला।
- 2007 से 2009 तक, वह बैंक की मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) और संयुक्त प्रबंध निदेशक थीं।
- कोचर भारत-रूस बिजनेस लीडर फोरम और यूएस-इंडिया सीईओ फोरम का सदस्य हैं।
- वह अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक सम्मेलन की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।



₹200 FOR 1 MONTH







- वह इंडियन बैंक एसोसिएशन की डिप्टी चेयरमैन हैं।
- 2011 में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक की सह-अध्यक्ष थीं।
- कोचर को वित्तीय क्षेत्र में उनके अग्रणी काम, आर्थिक संकट के समय प्रभावी नेतृत्व और व्यस्त व्यावसायिक प्रथाओं के समर्थन के लिए 2014 में कनाडा के कार्लेटन विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधी प्रदान की गयी है।

पुरस्कार और सम्मान

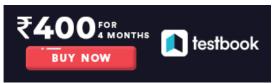
- चंदा कोचर के नेतृत्व में आईसीआईसीआई बैंक ने 2001,2003, 2004, 2005 में "बेस्ट रिटेल बैंक इन इंडिया" और 2002 में "रिटेल बैंकिंग में उत्कृष्टता" का पुरस्कार प्राप्त किया। दोनों पुरस्कार एशियाई बैंकर द्वारा दिए गए थे।
- कोचर को मिले सम्मान-
 - एशियाई बैंकर द्वारा "रिटेल बैंकर ऑफ द ईयर 2004 (एशिया-प्रशांत क्षेत्र)"
 - इकोनॉमिक टाइम्स द्वारा "बिजनेस वूमन ऑफ द ईयर 2005"
 - रिटेल बैंकर इंटरनेशनल द्वारा वैश्विक पुरस्कार 2006 के लिए "राइजिंग स्टार अवॉर्ड"।
- 2005 से कोचर को फॉर्च्यून की "सबसे शक्तिशाली महिला व्यवसाय" की सूची में लगातार सूचीबद्ध किया गया है। 2009
 में, उन्होंने फोर्ब्स "दुनिया की 100 सबसे शक्तिशाली महिला सूची" में 20 वां स्थान प्राप्त किया।
- 2011 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।
- चंदा कोचर को 2 जनवरी 2014 को एसोचैम लेडीज़ लीग मुंबई महिला दशकों के अचीवर्स पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- कोचर को 2015 में टाइम मैग्ज़ीन ने दुनिया की 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में चुना गया था। 2015 में, उन्हें
 एशिया प्रशांत में 100 सबसे शक्तिशाली महिलाओं की फॉर्च्यून सूची में पहले स्थान पर रखा गया था।
- 2017 में, कोचर को बिजनेस वर्ल्ड पत्रिका की 'बीडब्ल्यू की सबसे प्रभावशाली महिला' सूची में एक सदाबहार महिला नेता के रूप में दिखाया गया था।
- मई 2017 में उन्हें वाशिंगटन, अमेरिका में स्थित वुडरो विल्सन सेंटर से वैश्विक कॉर्पोरेट नागरिकता के लिए वुडरो विल्सन पुरस्कार भी मिला। वह इस श्रेणी में एक पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहली व्यक्ति हैं।
- उसी वर्ष, कोचर को फॉर्च्यून की सूची में 'सबसे शक्तिशाली महिला' की सूची में 5 वां स्थान मिला।











यदि आपको यह आलेख पसंद आया है तो अन्य लेख भी देखें जो जनरल अवेर्नेस सेक्शन की तैयारी में आपकी सहायता करेंगे।

| न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा | भारतीय हवाई अड्डे और शहर |
|----------------------------------|---|
| आधार अधिनियम संवैधानिक | भारतीय स्टॉक एक्सचेंज की सूची |
| राष्ट्रीय खेल पुरस्कार और विजेता | बैंक विलय (बैंक ऑफ बड़ौदा, विजया बैंक और देना बैंक) |

टेस्टबुक पर फ्री में अभ्यास करना न भूलें।

Solve Practice Questions for Free

यदि इस लेख से सम्बंधित किसी भी तरह का संदेह है तो हमारे कमेंट बॉक्स में कमेंट करें और हमारे विशेषज्ञ और साथी उम्मीदवारों के साथ डिसकस करें!



Go to Testbook Discuss





